



'Then And Now'
Cricket- the India Way

Legend among the cricket writers, K.N. Prabhu's article on C.K. Nayudu was reproduced in the book by Venkat Sundaram, who preserved this article for years.

Scenic Cycling
Routes In India

The mesmerising
landscapes will make your
journey more beautiful
than the destination

'जरूरी हो तो ही
बाहर निकलें'

नीतीश की एन.डी.ए. में वापसी की खबरें क्यों और कौन चला रहा है

सूत्रों का कहना है कि, ममता बनर्जी येन
केन प्रकारेण इंडिया गठबंधन से नीतीश
को हटा देना चाहती हैं

-जाल खंभाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 28 दिसम्बर दिल्ली एयरपोर्ट ने सूचित किया है घने कोहरे की वजह से लगभग 134 उड़ानों के संचालन में विलंब हुआ है। घरेलू व अन्तर्राष्ट्रीय दोनों प्रकार की फ्लाइट्स देर से आ रही हैं और देर से रवाना हो रही हैं। दिल्ली एयरपोर्ट से उड़ने वाली 35 अन्तर्राष्ट्रीय उड़ानों को देरी से रवाना किया गया, इसी प्रकार 28 अन्तर्राष्ट्रीय हवाई उड़ानों के आगमन में विलंब हुआ। कोहरे की घनी चादर ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को अपने आगोश में ले लिया ऐसा लगा मानों शीतलहर ने शहर को जकड़ लिया हो इसके कारण दिल्ली

■ मौसम विभाग ने दिल्ली वालों को चेतावनी दी। दिल्ली कड़ाके की ठंड व घने कोहरे से त्रस्त है। इसकी वजह से 134 फ्लाइट प्रभावित हुई हैं और 22 ट्रेन लेट चल रही हैं।

में रेलों और हवाई उड़ानों के आगमन व प्रस्थान में काफी विलंब हुआ इसकी वजह से गुरुवार को यात्रियों को अत्यधिक असुविधा का सामना करना पड़ा।

इंदिरा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से नजारा यह दिख रहा था कि अत्यधिक घने कोहरे के बीच एयरपोर्ट के प्रवेश द्वारों पर यात्रियों की लम्बी लाइन लगी हुई थी।

ग्रेटर नोएडा में अल-सुबह बुधवार को यमुना एक्सप्रेस वे पर घने कोहरे व (शेष पृष्ठ 4 पर)

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 28 दिसम्बर विपक्ष के "इण्डिया" गठबंधन के लिए मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम प्रधानमंत्री के रूप में आगे बढ़ाकर ममता बनर्जी द्वारा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को मात देने के बाद इण्डिया गठबंधन में विभाजन की अटकलें थीं।

जद (यू) के इण्डिया गठबंधन से नाता तोड़ने की खबरों ने तृणमूल को पहले ही हिला दिया है। इसका जिक्र गुप-चुप रूप से किया जा रहा है। ममता बनर्जी जानती थीं कि प्रधानमंत्री पद के दावेदार के रूप में नीतीश कुमार राष्ट्रीय स्तर पर उनके मुख्य शत्रु हैं।

विपक्षी गठबंधन की दिल्ली में हुई गत मीटिंग में नीतीश का खराब मूड प्रकट हो गया। ममता ने जब मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम प्रधानमंत्री के चेहरे के रूप में लिया तब वह खुश नहीं थे, लेकिन गठबंधन के एक दक्षिण भारतीय सहयोगी ने जब यह मोग की कि हिंदी में किए गए नीतीश के भाषण का अंग्रेजी भाषा में अनुवाद किया जाए,

■ क्योंकि प्रधानमंत्री पद की दावेदारी में नीतीश ही उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी हैं।

■ समझा जाता है कि, नई दिल्ली में हुई एन.डी.ए. की बैठक में ममता बनर्जी ने सोची समझी रणनीति के तहत प्रधानमंत्री पद के दावेदार के रूप में कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का नाम लिया, उनका इरादा नीतीश को नाराज करने का था।

■ और ऐसा हुआ भी, क्योंकि ममता बनर्जी के उक्त प्रस्ताव के बाद नीतीश काफी उखड़े हुए नज़र आए, और जब दक्षिण भारतीय पार्टी के एक सदस्य ने नीतीश के हिंदी में दिए गए भाषण का अंग्रेजी अनुवाद मांगा तो नीतीश भड़क गए।

■ बनर्जी शुरु से ही खुद को प्रधानमंत्री पद का दावेदार बताने की कोशिश में लगी हुई हैं, इसके लिए उन्होंने अन्य राज्यों में पैठ जमाने की कोशिश भी की, पर, सफलता नहीं मिली।

तो वह भड़क गए।

नीतीश ने गुस्से में कहा था कि उनके भाषण का अंग्रेजी अनुवाद

उपलब्ध नहीं करवाया जाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा था कि हिंदी (शेष पृष्ठ 4 पर)

श्रीवास्तव को
सी.जे. बनाने की
अनुशांसा



एम.एम. श्रीवास्तव

जयपुर, 28 दिसम्बर (का.सं.)। सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने राजस्थान हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस एम.एम. श्रीवास्तव को मुख्य न्यायाधीश बनाने की सिफारिश केंद्र सरकार को भेजी है। इसी तरह राजस्थान

■ सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव को राजस्थान हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बनाने की सिफारिश केंद्र सरकार को भेजी है।

हाईकोर्ट के दो अन्य न्यायाधीश जस्टिस विजय बिश्नोई को गुवाहाटी हाईकोर्ट और जस्टिस अरुण भंसाली को इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पद पर नियुक्त करने के लिए भी केंद्र (शेष पृष्ठ 4 पर)

फिर से उभर रहा है
"पैगसस" विवाद

वॉशिंगटन पोस्ट व एमनैस्टी इंटरनेशनल ने दावा किया है कि, भारत सरकार कुछ पत्रकारों के फोन पर "पैगसस" का इस्तेमाल कर रही है

-श्रीनंद झा-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

जयपुर, 28 दिसम्बर द वॉशिंगटन पोस्ट और एमनैस्टी इंटरनेशनल की एक संयुक्त जांच के अनुसार भारत सरकार ने पैगसस स्पायवेयर के माध्यम से फिर से प्रमुख पत्रकारों को निशाना बनाया है।

इजरायल के एन.एस.ओ. ग्रुप के उत्पाद, पैगसस का उपयोग फोन के मैसेज, ई-मेल, फोटो आदि प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है। इसका उपयोग फोन कॉलस की बातें सुनने, लोकेशन ट्रैक करने और यहाँ तक कि, कैमरे से फोन के मालिक की तस्वीरें लेने के लिए किया जा सकता है। "वाचडॉग्स" ने बताया है कि, 12 से अधिक देशों में, जिनमें भारत भी शामिल है, पत्रकारों और एक्टिविस्टों के विरुद्ध पैगसस का इस्तेमाल किया गया है। यह स्पायवेयर आमतौर पर सरकारों और सुरक्षा एजेंसियों को ही बेचा जाता है।

आज प्रकाशित संयुक्त जांच के अनुसार, "द वायर" के सिद्धार्थ वरदराजन तथा "ऑर्गनाइज्ड क्राइम एण्ड करप्शन रिपोर्टिंग प्रॉजैक्ट" (ओ.सी.सी.आर.पी.) के आनंद मंगनाले को उनके आई-फोन्स पर लक्ष्य बनाया गया है।

रोचक है कि, ओ.सी.सी.आर.पी. ने अगस्त में गौतम अडानी की वित्तीय

■ पैगसस असल में इजरायल के एन.एस.ओ. ग्रुप का उत्पाद है, जिससे किसी के भी फोन के मैसेज, ई-मेल, फोटो देखे जा सकते हैं, बात सुनी जा सकती है, लोकेशन ट्रैक की जा सकती है और उसका वीडियो भी बनाया जा सकता है।

■ वॉशिंगटन पोस्ट में छपी संयुक्त जांच रिपोर्ट के अनुसार, "द वायर" के सिद्धार्थ वरदराजन और ऑर्गनाइज्ड क्राइम एण्ड करप्शन रिपोर्टिंग प्रॉजैक्ट के आनन्द मंगनाले को टारगेट किया गया है।

■ आनन्द ने गौतम अडानी के वित्तीय सौदों पर एक रिपोर्ट छपी थी।

■ इससे पहले 2021 में भी पैगसस विवाद सुर्खियों में आया था, तब आरोप था कि, सरकार पैगसस से नेताओं व पत्रकारों के फोन की स्नूपिंग कर रही है।

गतिविधियों को लेकर एक जांच प्रकाशित की थी। मंगनाले ने कहा कि उन्होंने ओ.सी.सी.आर.पी. की तरफ से अडानी ग्रुप को एक प्रश्नमाला भेजी थी, जिसके कारण उन्हें लक्ष्य बनाया गया है। लेकिन, उन्होंने आगे कहा कि, इस बारे में उनके पास कोई सबूत नहीं है। उन्होंने कहा "लेकिन घटनाक्रम से सब कुछ काफी स्पष्ट होता है।"

वरदराजन ने कहा कि, एक प्रमुख समाचार प्रकाशक को नई दिल्ली में हिरासत में लिए जाने का विरोध करने

के लिए उन्हें लक्ष्य बनाया गया है।

केंद्र सरकार ने अभी तक इस रिपोर्ट पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। पिछले माह मीडिया रिपोर्ट्स में संकेत दिए गए थे कि, विपक्षी सांसदों द्वारा लगाए गए फोन टैपिंग के आरोपों की अधिकारियों द्वारा जांच की जा रही है। कहा गया था कि, इन सांसदों को एपल द्वारा फोन टैपिंग के संबंध में चेतावनी मिली थी।

पैगसस विवाद भारत में सबसे (शेष पृष्ठ 4 पर)



कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

“मौसम के जोखिमों से हमारे मेहनती किसान भाई-बहनों के हितों को सुरक्षित करने में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना काफी कारगर साबित हो रही है। इसका लाभ करोड़ों किसानों को मिल रहा है।”

- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री



फसल बीमा कराओ सुरक्षा कवच पाओ

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लाभ

दारों का भुगतान सीधे किसान के बैंक खाते में

आधुनिक तकनीक से उपज का बेहतर अनुमान

7 वर्षों की मुख्य उपलब्धियां

55 करोड़ से अधिक किसान आवेदन प्राप्त

16.06 करोड़ से अधिक किसान आवेदनों को फसल मुआवजा का वितरण

₹ 1.50 लाख करोड़ से अधिक का बीमा दावा भुगतान

पंजीकरण की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर, 2023



बीमा कम्पनी के प्रतिनिधि से अपने घर बैठे ऐड ऐप द्वारा करें फसल बीमा



फसल बीमा से सम्बंधित किसी भी जानकारी के लिए कृषि रक्षक हेल्पलाइन नंबर 14447 पर कॉल करें



प्रधानमंत्री
फसल बीमा योजना

बीमा भागीदार



अपनी फसलों को आज ही बीमित करने के लिए संपर्क करें

जनसेवा केंद्र

क्रॉप इश्योरेंस ऐप <https://play.google.com>

पोस्ट ऑफिस

बैंक शाखा

[f](#) [i](#) [x](#) [y](#) [in](#) @PMFBY



QR कोड स्कैन करें